

## उत्तराखण्ड शासन

### आबकारी विभाग

संख्या: 94 /XXIII /2015 /43 /2005

देहरादून: दिनांक: 24 फरवरी, 2015

राज्यपाल "भारत का संविधान" के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग तथा इस विषय में विद्यमान समस्त नियमों और आदेशों का अधिक्रमण करते हुए उत्तराखण्ड अधीनस्थ आबकारी सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती तथा सेवा शर्तें विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :-

### उत्तराखण्ड अधीनस्थ आबकारी सेवा नियमावली, 2015

#### भाग - एक - सामान्य

- |                           |    |   |
|---------------------------|----|---|
| संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ | 1. | (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड अधीनस्थ आबकारी सेवा नियमावली, 2015 है।<br>(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।  |
| सेवा की प्रास्थिति        | 2. | उत्तराखण्ड अधीनस्थ आबकारी सेवा एक अधीनस्थ अराजपत्रित सेवा है जिसमें समूह 'ग' के पद समाविष्ट हैं।  |
| परिभाषाएं                 | 3. | जब तक कि विषय या सन्दर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो, इस नियमावली में :-<br>(क) "नियुक्ति प्राधिकारी" से आबकारी आयुक्त, उत्तराखण्ड अभिप्रेत है;<br>(ख) "भारत का नागरिक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो संविधान के भाग-II के अधीन भारत का नागरिक हो या भारत का नागरिक समझा जाता है;<br>(ग) "आयोग" से उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है;<br>(घ) "संविधान" से "भारत का संविधान" अभिप्रेत है;<br>(ङ) "सरकार" से उत्तराखण्ड राज्य सरकार अभिप्रेत है;<br>(च) "राज्यपाल" से राज्यपाल उत्तराखण्ड अभिप्रेत है;<br>(छ) "सेवा का सदस्य" से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर इस नियमावली या इस नियमावली के प्रारम्भ होने से पूर्व प्रवृत्त नियमों या आदेशों के अधीन मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है;<br>(ज) "सचिव" से सचिव, उत्तराखण्ड सरकार, आबकारी विभाग अभिप्रेत है;<br>(झ) "सेवा" से उत्तराखण्ड अधीनस्थ आबकारी सेवा अभिप्रेत है; |

- (ज) मौलिक नियुक्ति से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमों के अनुसार चयन के पश्चात् की गयी हो और यदि कोई नियम न हो तो, सरकार द्वारा जारी किये गये कार्यपालक अनुदेशों द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार चयन के पश्चात् की गयी हो;
- (ट) "भर्ती का वर्ष" से किसी कैलेंडर वर्ष की जुलाई के प्रथम दिवस से प्रारम्भ होने वाली बारह मास की अवधि अभिप्रेत है;

#### भाग - दो - संवर्ग

सेवा का संवर्ग

4.

- (1) सेवा की सदस्य संख्या और उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या उतनी होगी जितनी सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाय।
- (2) जब तक कि उप-नियम (1) के अधीन परिवर्तन के आदेश न दिये जायें सेवा की सदस्य संख्या और उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या परिशिष्ट "क" के अनुसार होगी। परन्तु यह कि -

(एक) नियुक्ति प्राधिकारी किसी रिक्त पद को बिना भरे हुए छोड़ सकता है या राज्यपाल उसे आस्थगित रख सकते हैं, जिससे कोई व्यक्ति प्रतिकर का हकदार न होगा।

(दो) राज्यपाल ऐसे अतिरिक्त स्थायी या अस्थायी पदों का सृजन कर सकते हैं, जिन्हें वह उचित समझे।

#### भाग - तीन - भर्ती

भर्ती का स्रोत

5.

सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर भर्ती निम्नलिखित स्रोतों से की जायेगी :

##### 1. आबकारी निरीक्षक :

(एक) 55 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।

(दो) 25 प्रतिशत उप आबकारी निरीक्षकों में से पदोन्नति द्वारा जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पांच वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, और

(तीन)(क) 20 प्रतिशत आबकारी विभाग के मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे प्रधान सहायक/वरिष्ठ सहायक और आशुलिपिक श्रेणी-एक में से पदोन्नति द्वारा, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो; अथवा

(ख) मौलिक रूप से नियुक्त कनिष्ठ सहायक और आशुलिपिक श्रेणी-दो, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो।



### टिप्पणी—

(1) खण्ड(1) के उप खण्ड (ग) के अधीन पदोन्नति कोटे के अधीन प्रथम 09 रिक्तियाँ, यथा-स्थिति, प्रधान सहायकों, वरिष्ठ सहायकों और कनिष्ठ सहायकों में से पदोन्नति द्वारा भरी जायेंगी और 10 वीं रिक्ति यथा स्थिति आशुलिपिक श्रेणी-दो और तीन में से पदोन्नति द्वारा भरी जायेगी।

(2) खण्ड (1) के उपखण्ड (ग) के अधीन पदोन्नति के लिये पात्रता सूची उत्तराखण्ड आबकारी विभाग लिपिकीय सेवा नियमावली, 2010 के अधीन यथाअवधारित ज्येष्ठता के आधार पर तैयार की जायेगी।

## 2. उप आबकारी निरीक्षक

75 प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त हाईस्कूल उत्तीर्ण आबकारी, हेड कॉस्टेबिलों और आबकारी कॉस्टेबिलों में से, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को आबकारी कॉस्टेबिल के पद पर सेवा सहित 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, पदोन्नति द्वारा।

25 प्रतिशत पद सीधी भर्ती के माध्यम से।

आरक्षण

6. उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिये आरक्षण, भर्ती के समय प्रवृत्त सरकारी आदेशों के अनुसार दिया जायेगा।

## भाग – चार – अर्हता

राष्ट्रीयता

7. सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिये आवश्यक है कि अभ्यर्थी

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी निवास के अभिप्राय से दिनांक 1 जनवरी, 1962 के पूर्व आया हो, या

(ग) भारतीय मूल का ऐसा व्यक्ति हो, जिसने भारत में स्थायी निवास के अभिप्राय से पाकिस्तान, वर्मा श्रीलंका या किसी पूर्वी अफ्रीकी देश कीनिया, उगान्डा और यूनाईटेड रिपब्लिक ऑफ तन्जानिया (पूर्ववर्ती तांगानिका और जंजीबार) से प्रवजन किया हो।

परन्तु उपर्युक्त श्रेणी (ख) या (ग) के अभ्यर्थी को ऐसा व्यक्ति होना चाहिये जिसके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण-पत्र जारी किया हो :

परन्तु यह और कि श्रेणी (ख) के अभ्यर्थी से यह अपेक्षा की जायेगी कि वह पुलिस महानिरीक्षक, अभि-सूचना शाखा, उत्तराखण्ड प्रदेश से पात्रता का प्रमाण-पत्र प्राप्त कर ले:

*lu*

परन्तु यह भी कि यदि कोई अभ्यर्थी उपयुक्त श्रेणी (ग) का हो तो पात्रता का प्रमाण—पत्र 01 वर्ष से अधिक अवधि के लिये जारी नहीं किया जायेगा और ऐसे अभ्यर्थी को 01 वर्ष की अवधि के आगे सेवा में इस शर्त पर रहने दिया जायेगा कि वह भारत की नागरिकता प्राप्त कर ले।

#### टिप्पणी—

ऐसे अभ्यर्थी को जिसके मामले में पात्रता का प्रमाण—पत्र आवश्यक हो, किन्तु न तो वह जारी किया गया हो और न देने से इन्कार किया गया हो, किसी परीक्षा या साक्षात्कार में सम्मिलित किया जा सकता है और उसे इस शर्त पर अनन्तिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है कि आवश्यक प्रमाण—पत्र उसके द्वारा प्राप्त कर लिया जाय या उसके पक्ष में जारी कर दिया जाय।

#### शैक्षणिक अर्हता

8. सेवा में विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती के लिये अभ्यर्थी के पास निम्नलिखित अर्हताएं होनी चाहियें :

क्र०सं०	पद	अर्हता
01	आबकारी निरीक्षक	भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय की स्नातक उपाधि या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त उपाधि।
02	उप आबकारी निरीक्षक	माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तराखण्ड की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई अर्हता।

#### अधिमानि अर्हता

9. ऐसे अभ्यर्थी को जिसने

(एक) प्रादेशिक सेना में दो वर्ष की न्यूनतम अवधि तक सेवा की हो,

या

(दो) राष्ट्रीय कैडेट कोर का "बी" प्रमाण—पत्र प्राप्त किया हो, अन्य बातों के समान होने पर सीधी भर्ती के मामले में अधिमान दिया जायेगा।

#### आयु

- 10.

सीधी भर्ती के लिये अभ्यर्थी की आयु, यदि पद 01 जनवरी से 30 जून की अवधि के दौरान विज्ञापित किये जाते हैं, तो जिस वर्ष भर्ती की जाती है उस वर्ष की 01 जनवरी को 21 वर्ष तथा यदि पद 01 जुलाई से 31 दिसम्बर की अवधि के दौरान विज्ञापित किये जाते हैं, तो उस वर्ष की 01 जुलाई को 21 वर्ष होनी चाहिये। अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 42 वर्ष होगी।



परन्तु यह कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा और ऐसी अन्य ऐसी श्रेणियों के, अभ्यर्थियों के मामले में जिन्हें सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाय, अधिकतम आयु उतनी बढ़ाई जायेगी जैसा कि विहित किया जाय।

### चरित्र

11. सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिये अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिये कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिये सभी प्रकार से उपयुक्त हो सके। नियुक्ति प्राधिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा।

#### टिप्पणी—

संघ सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा या संघ सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन किसी निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा। नैतिक अधमता के किसी अपराध के लिये दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होगा।

### वैवाहिक प्रारिथिति

12. सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिये ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र नहीं होगा, जिसकी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हों या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो, जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो:

परन्तु यह कि सरकार किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है, यदि उसका समाधान हो जाय कि ऐसा करने के लिये विशेष कारण विद्यमान हैं।

### शारीरिक स्वस्थता

13. (1) किसी अभ्यर्थी को सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि मानसिक और शारीरिक दृष्टि से उसका स्वास्थ्य अच्छा न हो और वह किसी ऐसे शारीरिक दोष से युक्त न हो जिससे उसे अपने कर्तव्यों का दक्षतापूर्वक पालन करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो, किसी अभ्यर्थी को सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति के लिए अन्तिम रूप से अनुमोदित किये जाने के पूर्व उससे यह अपेक्षा की जायेगी कि वह फाइनेन्शियल हैण्ड बुक, खण्ड—दो भाग—3 के अध्याय—3 में दिये गये फण्डामेन्टल रूल—10 के अधीन बनाये गये नियमों से अनुसार एक स्वस्थता प्रमाण—पत्र प्रस्तुत करें।

परन्तु पदोन्नति द्वारा भर्ती किये गये अभ्यर्थी से स्वस्थता प्रमाण—पत्र प्रस्तुत करने की अपेक्षा नहीं की जायेगी।

(2) सीधी भर्ती अथवा पदोन्नति द्वारा भर्ती हेतु अभ्यर्थी की न्यूनतम शारीरिक अर्हता निम्नवत होगी—

(क) ऊँचाई —

	पुरुष अभ्यर्थी	महिला अभ्यर्थिनी
सामान्य / अन्य वर्ग	167.60 से.मी.	152 से.मी.
अनुसूचित जाति	160.00 से.मी.	147 से.मी.
पर्वतीय क्षेत्र	162.60 से.मी.	147 से.मी.

(ख) सीने की माप—

(केवल पुरुष अभ्यर्थियों हेतु)

	बिना फुलाये	फुलाने पर
अनुसूचित जाति एवं पर्वतीय क्षेत्र	76.3 से.मी.	81.3 से.मी.
सामान्य / अन्य अभ्यर्थी	78.8 से.मी.	83.8 से.मी.

(न्यूनतम फुलाव 5 से.मी. अनिवार्य है।)

(ग) शारीरिक वजन

केवल महिला अभ्यर्थिनियों हेतु — 45 कि.ग्रा

भाग—पांच — भर्ती प्रक्रिया

रिक्तियों का अवधारण 14.

नियुक्ति प्राधिकारी वर्ष के दौरान भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या और नियम 6 के अधीन अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिये आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या भी अवधारित करेगा और आयोग को सूचित करेगा।

आबकारी निरीक्षक के 15.  
पद पर लोक सेवा  
आयोग के माध्यम से  
सीधी भर्ती की प्रक्रिया

1. प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने को अनुमति के लिये आयोग विहित प्रपत्र में आवेदन-पत्र मंगायेगा, आवेदन पत्र भुगतान कर आयोग के सचिव से प्राप्त किये जा सकेंगे।
2. आयोग द्वारा जारी प्रवेश-पत्र के बिना किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
3. लिखित परीक्षा के परिणाम प्राप्त होने और उनके सारणीकरण के पश्चात् आयोग द्वारा नियम-6 के अधीन अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर ऐसे अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु बुलायेगा, जिन्होंने इस सम्बन्ध में आयोग द्वारा नियत मानक के अनुसार अंक प्राप्त किये हो। प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा साक्षात्कार में प्राप्त अंक उसके द्वारा लिखित परीक्षा में प्राप्त अंको में जोड़े जायेंगे।



4. आयोग प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों द्वारा प्रकट प्रवीणता के क्रम में सूची बनायेगा, और नियुक्ति के लिये उतने अभ्यर्थियों की संस्तुति करेगा जिन्हे वह नियुक्ति के योग्य समझता है, यदि दो या उससे अधिक अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त कुल अंक बराबर हों तो लिखित परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी का नाम सूची में उपर रखा जायेगा। आयोग द्वारा सूची नियुक्ति प्राधिकारी को प्रेषित की जायेगी।

**टिप्पणी :-**

प्रतियोगिता परीक्षा का पाठ्यक्रम और नियम आयोग द्वारा समय-समय पर विहित किये जायेंगे।

उप आबकारी  
निरीक्षक के पद पर  
सीधी भर्ती की प्रक्रिया

16

उप आबकारी निरीक्षक के पद पर सीधी भर्ती उत्तराखण्ड (उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर) समूह 'ग' के पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया नियमावली, 2008 के अनुसार की जायेगी।

उप आबकारी  
निरीक्षक के पद पर  
पदोन्नति द्वारा भर्ती  
की प्रक्रिया।

17.

उप आबकारी निरीक्षक के पद पर पदोन्नति द्वारा भर्ती, अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुये, ज्येष्ठता के आधार पर चयन समिति के माध्यम से की जायेगी, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :

आबकारी आयुक्त, उत्तराखण्ड	—	अध्यक्ष
अपर आबकारी आयुक्त, उत्तराखण्ड	—	सदस्य
उप आबकारी आयुक्त, मुख्यालय	—	सदस्य

1. पदोन्नति द्वारा भर्ती अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए ज्येष्ठता के आधार पर, समय-समय पर यथा संशोधित उत्तराखण्ड विभागीय पदोन्नति समिति का गठन (लोक सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर के पदों के लिए) नियमावली, 2008 के उपबन्धों के अनुसार गठित चयन समिति के माध्यम से की जायेगी।

परन्तु यह कि इस प्रकार गठित चयन समिति में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों में से प्रत्येक व्यक्ति सम्मिलित न हो तो ऐसी जातियों/जनजातियों और वर्गों का, जिनका चयन समिति के सदस्य के रूप में अध्यक्ष द्वारा नाम-निर्दिष्ट किया जायेगा।

2. नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थियों की पात्रता सूची उत्तराखण्ड विभागीय पदोन्नति समिति का गठन (लोक सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर के पदों के लिए) नियमावली, 2008 के अनुसार तैयार करेगा और उसे उनकी चरित्र पंजिकाओं और उनसे सम्बन्धित ऐसे अन्य अभिलेखों के साथ, जो उचित समझे जायें, चयन समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

3. नियुक्ति प्राधिकारी प्रत्येक श्रेणी अर्थात् सामान्य जाति, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों की अलग-अलग तीन सूचियां उक्त श्रेणी के लिए उपलब्ध रिक्तियों को दृष्टिगत रखते हुए तैयार करेगा जो ज्येष्ठतम् अभ्यर्थियों की पात्रता सूची कही जायेगी, जिसमें यथा सम्भव निम्नलिखित अनुपात में नाम दिये जायेंगे :

- 1 से 5 रिक्तियों हेतु - रिक्तियों की संख्या का दोगुना, किन्तु कम से कम 5  
5 से अधिक रिक्तियों हेतु - रिक्तियों की संख्या का डेढ़ गुना, किन्तु कम से कम 10

4. चयन समिति चयनित अभ्यर्थियों की एक सूची भर्ती के समय प्रवृत्त सरकार के आदेशों के अनुसार तैयार करेगी और उसे नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगी,

परन्तु यह कि उपनियम (1) के अधीन या इस नियम के अधीन पात्रता सूची तैयार करते समय, जहां दो भिन्न-भिन्न पोषक संवर्ग हों, वहां :-

- (क) भिन्न-भिन्न वेतनमानों के सम्बन्ध में उच्चतर वेतनमान वाले संवर्ग के अभ्यर्थियों को पात्रता सूची में ऊपर रखा जायेगा।  
(ख) समान वेतनमानों के सम्बन्ध में पात्रता सूची में अभ्यर्थियों के नाम उनके अपने-अपने संवर्गों में मौलिक नियुक्त के दिनांक के क्रम में रखे जायेंगे।

आबकारी  
निरीक्षक के पद  
पर पदोन्नति द्वारा  
भर्ती की प्रक्रिया।

18. आबकारी निरीक्षक के पद पर पदोन्नति द्वारा भर्ती समय-समय पर यथा संशोधित उत्तराखण्ड, लोक सेवा आयोग सपरामर्श चयनोन्नति (प्रक्रिया) नियमावली, 2003 के अनुसार की जायेगी।

संयुक्त चयन सूची

19. यदि भर्ती के किसी वर्ष में नियुक्तियां सीधी भर्ती और पदोन्नति दोनों प्रकार से की जानी है, तो एक संयुक्त चयन सूची तैयार की जायेगी, में अभ्यर्थियों के नाम सुसंगत सूचियों से ऐसे चक्रानुक्रम में लिये जायेंगे कि विहित प्रतिशत बना रहे, सूची में पहला नाम नियम-17 के अधीन पदोन्नति द्वारा नियुक्त व्यक्ति को होगा।

टिप्पणी-

चयन सूची तैयार करने के प्रयोजन के लिये आबकारी निरीक्षक के पद के लिये पदोन्नत किये जाने वाले व्यक्तियों के नाम लिपिक या आशुलिपिकों और उप आबकारी निरीक्षकों के नाम इस क्रम में लेते हुए रखे जायेंगे कि पहला नाम लिपिक का हो या यदि उस सूची में किसी लिपिक का चयन न किया गया हो तो यथास्थिति आशुलिपिक का नाम रखा जा सकता है।



## भाग— छः

## नियुक्ति, परिवीक्षा, स्थायीकरण और ज्येष्ठता

## नियुक्ति

20. 1. मौलिक रिक्तियां होने पर, नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थी की नियुक्ति उसी क्रम में करेगा, जिसमें उनके नाम नियम 15,16,17,18 एवं 19 के अधीन तैयार की गयी सूचियों में आये हों।
2. यदि किसी वर्ष में नियुक्तियां सीधी भर्ती और पदोन्नति दोनों माध्यमों से की जानी हैं, तो नियमित नियुक्तियां तब तक नहीं की जायेंगी जब तक कि दोनों स्रोतों से चयन न कर लिया जाय और नियम 19 के अनुसार एक संयुक्त सूची तैयार न कर ली जाय।

यदि किसी एक चयन के संबंध में नियुक्ति के एक से अधिक आदेश जारी किये जाय तो एक संयुक्त आदेश भी जारी किया जायेगा, जिसमें व्यक्तियों के नामों का उल्लेख, यथास्थिति, चयन में यथा अवधारित या जैसा कि उस संवर्ग में हो जिससे उन्हें पदोन्नति किया गया, ज्येष्ठता क्रम में किया जायेगा।

## परिवीक्षा

21. 1. सेवा में किसी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्ति को 02 वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
2. नियुक्ति प्राधिकारी ऐसे कारणों से, जो अभिलिखित किये जायेंगे, अलग-अलग मामलों में परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकता है, जिसमें ऐसा दिनांक विनिर्दिष्ट किया जायेगा जब तक अवधि बढ़ायी जाय, परन्तु यह कि आपवादिक परिस्थितियों के अलावा, परिवीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक और किसी भी परिस्थिति में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ायी जायेगी।
3. यदि परिवीक्षा अवधि या बढ़ायी गयी परिवीक्षा अवधि के दौरान किसी भी समय या उसके अन्त में नियुक्ति प्राधिकारी को यह प्रतीत हो कि परिवीक्षाधीन अभ्यर्थी ने अपने अवसरों का पर्याप्त उपयोग नहीं किया है या संतोष प्रदान करने में अन्यथा विफल रहा है, तो उसे उस पद पर, जिस पर उसका धारणाधिकार हो, उसके मौलिक पद पर प्रत्यावर्तित किया जा सकता है।
4. उप-नियम (3) के अधीन जिस परिवीक्षाधीन व्यक्ति को प्रत्यावर्तित किया जाय या जिसकी सेवायें समाप्त की जायं, वह किसी प्रतिकर का हकदार नहीं होगा।
5. नियुक्ति प्राधिकारी, संवर्ग में सम्मिलित किसी पद पर या किसी अन्य समकक्ष या उच्चतर पद पर की गयी निरन्तर सेवा को परिवीक्षा अवधि की संगणना करने के प्रयोजन के लिये गिने जाने की अनुमति दे सकता है।

## स्थायीकरण

22. किसी परिवीक्षाधीन व्यक्ति को परिवीक्षा अवधि या बढ़ायी गयी परिवीक्षा अवधि के अन्त में उसकी नियुक्ति में स्थायी कर दिया जायेगा, यदि
- (क) उसका कार्य और आचरण संतोषजनक बताया जाय,
  - (ख) उसकी सत्यनिष्ठा प्रमाणित कर दी जाय, और
  - (ग) नियुक्ति प्राधिकारी का यह समाधान हो जाय कि वह स्थायीकरण के लिये अन्यथा उपयुक्त है।

## ज्येष्ठता

23. किसी श्रेणी के पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्तियों को ज्येष्ठता समय-समय पर यथासंशोधित उत्तराखण्ड सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 2002 के अनुसार अवधारित की जायेगी;

परन्तु यह कि किसी श्रेणी के पद पर व्यक्तियों की परस्पर ज्येष्ठता वही होगी जो उस संवर्ग में रही हों, जिससे उनकी पदोन्नति की गयी थी।

## भाग – सात – वेतन आदि

## वेतनमान

24. (1) सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर नियुक्त व्यक्तियों का अनुमन्य वेतनमान वही होगा जो समय-समय पर सरकार द्वारा अवधारित किया जाय।
- (2) इस नियमावली के प्रारम्भ होने के समय वेतनमान परिशिष्ट 'क' के स्तम्भ 4 में दिये गये हैं।

## परिवीक्षा के दौरान वेतन

25. (1) मूल नियम में किसी प्रतिकूल प्राविधान के होते हुए भी परिवीक्षाधीन व्यक्ति को, यदि वह पहले से स्थायी सरकारी सेवा में न हो, वेतनमान में उसकी प्रथम वेतनवृद्धि तभी दी जायेगी जब उसने एक वर्ष की संतोषजनक सेवा पूरी कर ली हो और द्वितीय वेतनवृद्धि दो वर्ष की सेवा के पश्चात् तभी दी जायेगी जब उसने परिवीक्षा अवधि पूर्ण कर ली हो और उसे स्थायी भी कर दिया गया हो;

परन्तु यह कि यदि संतोष प्रदान न कर सकने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ायी जाय तो, इस प्रकार बढ़ायी गयी अवधि की गणना वेतनवृद्धि के लिये तब तक नहीं की जायेगी जब तक कि नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निर्देश न दें।


(2) ऐसे व्यक्ति का, जो पहले से सरकार के अधीन कोई पद धारण कर रहा था, परिवीक्षा अवधि में वेतन सुसंगत मूल नियम द्वारा विनियमित होगा।

(3) ऐसे व्यक्ति का जो पहले से स्थायी सरकारी सेवा में हो, परिवीक्षा अवधि में वेतन राज्य के कार्यकलापों के सम्बन्ध में सेवारत सरकारी सेवकों पर सामान्यतया लागू सुसंगत नियमों द्वारा विनियमित होगा।



## भाग— आठ— अन्य प्राविधान

- पक्ष समर्थन** 26. सेवा या पद के सम्बन्ध में लागू नियमों के अधीन अपेक्षित सिफारिश से भिन्न किसी अन्य सिफारिश पर, चाहे लिखित हो या मौखिक विचार नहीं किया जायेगा, किसी अभ्यर्थी की ओर से अपनी अभ्यर्थिता के लिये प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन प्राप्त करने का कोई प्रयास उसे नियुक्ति के लिए अनर्ह कर देगा।
- अन्य विषयों का विनियमन** 27. ऐसे विषयों के सम्बन्ध में, जो इन नियमों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते सेवा में नियुक्त ऐसे व्यक्ति राज्य के कार्यों से सम्बन्धित सेवारत सरकारी सेवकों पर साधारणतः लागू विनियमों और आदेशों द्वारा विनियमित होंगे।
- सेवा शर्तों का शिथिलीकरण** 28. जहां राज्य सरकार का समाधान हो जाय कि सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तों को विनियमित करने वाले किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशिष्ट मामले में अनुचित कठिनाई होती है, उस मामले में लागू नियमों में किसी बात के होते हुए भी, आदेश द्वारा उस नियम को अपेक्षाओं को उस सीमा तक और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह मामले में न्यायसंगत और साम्यपूर्ण रीति से कार्यवाही करने के लिये आवश्यक समझे अभिमुक्त या शिथिल कर सकती है।
- व्यावृत्ति** 29. नियमावली की किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे आरक्षण और अन्य रियायतों पर नहीं पड़ेगा, जिनका इस संबंध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य विशेष श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए उपबन्धित किया जाना अपेक्षित हो।

  
(मोहम्मद शाहिद)  
सचिव

परिशिष्ट "क"

नियम 4 के उपनियम (2) तथा नियम 24 का उपनियम (2) देखिये

W

क्र०सं०	पद का नाम	पदों की संख्या			वेतनमान (रूपये में)
		स्थायी	अस्थायी	योग	
1	2	3			4
1.	आबकारी निरीक्षक	30	43	73	9300-34800 ग्रेड पे 4600
2.	उप आबकारी निरीक्षक	06	36	42	5200-20200 ग्रेड पे 2400



In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of “the Constitution of India”, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification No. /XXIII/ 2015/ 43/2005 Dated ..... 2015 for general information.

Government of Uttarakhand  
Excise Department  
No. 94 / XXIII/ 2015/ 43/2005  
Dehradun: Dated: 24 Feb 2015

### Notification

### Miscellaneous

In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of “the Constitution of India” and in supersession of all existing rules and orders on the subject, the Governor is pleased to make the following rules, regulating recruitment and the conditions of service of persons appointed to the Uttarakhand Subordinate Excise Service :-

## THE UTTARAKHAND SUBORDINATE EXCISE SERVICE RULES, 2015

### Part I

### General

- |                                     |  |
|-------------------------------------|--|
| <b>Short title and commencement</b> | 1. (1) These rules may be called the Uttarakhand Subordinate Excise Service Rules, 2015.<br>(2) They shall come into force at once.  |
| <b>Status of the Service</b>        | 2. The Uttarakhand Subordinate Excise Service is a Subordinate Non-Gazetted Service comprising Group “C” posts.  |
| <b>Definitions</b>                  | 3. In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context:<br>(a) “Appointing authority” means the Excise Commissioner, Uttarakhand;<br>(b) “Citizen of India” means a person who is or is deemed to be a Citizen of India under Part II of “the Constitution of India”; |



- (c) **"Commission"** means the Uttarakhand Public Service Commission;
- (d) **"Constitution"** means **"the Constitution of India"**;
- (e) **"Government"** means the State Government of Uttarakhand;
- (f) **"Governor"** means the Governor of Uttarakhand;
- (g) **"Member of service"** means a person substantively appointed under these rules or the rules or orders in force prior to the commencement of these rules to a post in the cadre of the service;
- (h) **"Secretary"** means the Secretary of Excise Department to the Government;
- (i) **"Service"** means the Uttarakhand Subordinate Excise Group 'C' Service;
- (j) **"Substantive appointment"** means an appointment, not being an *ad hoc* appointment, on a post in the cadre of the service, made after selection in accordance with the rules and if there are no rules, in accordance with the procedure prescribed for the time being by executive instructions issued by the Government.
- (k) **"Year of recruitment"** means a period of twelve months commencing for the 1<sup>st</sup> day of July of a calendar year.

## Part II

### Cadre

#### Cadre of Services

4. (1) The strength of the service shall be such as may be determined by the Government from time to time.
- (2) The strength of the Service shall until orders varying the same are passed under sub-rule (1) be as given in **Appendix "A"** :

Provided that-

- (a) the appointing authority may leave unfilled or the Governor may hold in abeyance any vacant post without thereby entitling any person to compensation;



- (b) the Governor may create such additional permanent or temporary posts as he may consider proper.

### Part – III

#### Recruitment

#### Source of Recruitment

5. Recruitment to the various categories of posts in the service shall be made from the following sources :-

**(1) Excise Inspector:-**

- (a) Fifty Five percent by direct recruitment;
- (b) Twenty Five percent by promotion from amongst such appointed Sub-Excise Inspectors, who have completed five years service as such on the first day of the year of recruitment; and
- (c) (i) twenty percent by promotion from amongst such substantively appointed Chief Assistant/Upper Assistant and Steno-graphers Grade-II and III, who have completed five years service as such on the first day of the year of recruitment; or  
(ii) substantively appointed Junior Assistants and Steno-graphers Grade-II, who have completed ten years service as such on the first day of the year of recruitment.

**Note – (1)** The first nine vacancies under the promotion quota under sub-clauses (c) of clause (1) will be filled by promotion from Chief/Upper/Junior Assistants as the case may be, and the 10<sup>th</sup> vacancy will be filled in by promotion from Stenographers Grade-II and III, as the case may be;

- (2) The eligibility list for promotion under sub-clause (c) of clause (1) shall be prepared on the basis of *inter se* seniority under the Uttarakhand Excise Department Ministerial Service Rules, 2010;

*Al*



**(2) Sub-Excise Inspector :-**

Seventy five percent by promotion from amongst High School passed substantively appointed Excise Head Constables and Excise Constables, who have completed ten years service including services on the post of Excise Constable, on the first day of the year of recruitment.

Twenty five percent post by direct recruitment.

**Reservation**

6.

Reservation for the candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other categories of the State of Uttarakhand shall be in accordance with the orders of the Government in force at the time of recruitment.

**Part – IV**

**Qualifications**

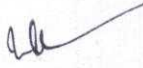
**Nationality**

7.

A candidate for direct recruitment to a post in the service must be;

- (a) a citizen of India; or
- (b) a Tibetan refugee who came over to India before the 1<sup>st</sup> January, 1962, with the intention of permanently settling in India; or
- (c) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka or any of the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India :

Provided that a candidate belonging to category (b) or (c) above must be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the State Government :

 Provided further that a candidate belonging to category (b) will also be required to obtain a certificate of eligibility granted by the Deputy Inspector General of Police, Intelligence Branch, Uttarakhand :



Provided also that if a candidate belongs to category (c) above, no certificate of eligibility will be issued for a period of more than one year and the retention of such a candidate in service beyond a period of one year shall be subject to his acquiring Indian citizenship.

**Note-** A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary but the same has neither been issued nor refused may be admitted to an examination or interview and he may also be provisionally appointed subject to the necessary certificate being obtained by him or issued in his favour.

#### Academic Qualification

8.

A candidate for direct recruitment to the various posts in the service must possess following qualifications –

S. No.	Name of Post	Qualification
1	2	3
01.	Excise Inspector	A Bachelors degree of a University established by law in India or degree recognized by the Government as equivalent thereto.
02.	Sub-Excise Inspector	Intermediate Examination of the Board of High School and Intermediate Education, Uttar Pradesh/Uttarakhand or any Qualification recognized by the Government as Equivalent thereto.

#### Preferential Qualification

9.

A candidate, who has :-

(i) served in the territorial army for a minimum period two years; or

(ii) obtained a 'B' certificate of National Cadet Corps;

shall other things being equal, be given preference in the matter of direct recruitment.



**Age****10.**

A candidate for direct recruitment must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of more than 40 years on the first day of July of the calendar year in which the vacancies are advertised or announced, if the vacancies are advertised for the period of 01 January to 30 June, a candidate for direct recruitment must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of more than 42 years on the first day on 01 January of that year of recruitment the case may be :

Provided that the upper age limit in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and such other categories to the State of Uttarakhand as may be notified by the Government from time to time shall be greater by such number of years as may be specified.

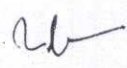
**Character****11.**

The character of a candidate for direct recruitment to a post in the service must be such as to render him suitable in all respect for employment in Government Service. The appointing Authority shall satisfy itself on this point.

**NOTE-** Persons dismissed by the union Government or a State Government or by a Local Authority or a Corporation or Body owned or controlled by the union Government or State Government shall be ineligible for appointment to any post in the service. Persons convicted of an offence involving moral turpitude shall also be ineligible.

**Marital Status****12.**

A male candidate, who has more than one wife living or a female candidate who has married a man already having a wife living shall not be eligible for a appointment to post in the service :

 Provided that the Government may, if satisfied that there exist special grounds for doing so, exempt any person from the operation of this rule.



**Physical  
Fitness**

13. (1) No candidate shall be appointed to a post in the service unless he be in a good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of his duties. Before a candidate is finally approved for appointment he shall be required to produce a medical certificate of fitness in accordance with the rules framed under Fundamental Rule 10 as contained in Chapter III of the Financial Handbook Volume II, Part III :

Provided that a Medical certificate of fitness shall not be required from a candidate recruited by promotion.

- (2) For recruitment by direct recruitment or promotion, the minimum physical ability for the candidates shall be given under :-

**(a) Height**

	<b>Male candidate</b>	<b>Female candidate</b>
for the candidates belonging to General/ other Category	167.60 cm	152.00cm
For the candidates belonging to SC	160.00 cm	147.00cm
For the candidates belonging to Hill areas	162.60 cm	147.00cm

**(b) Measurement of Chest (Only for Male candidates)**

	<b>Without Expansion</b>	<b>With Expansion</b>
For the candidates belonging to SC and Hill areas	76.3 cm	81.3 cm
For the candidates belonging to General/Other Category	78.8 cm	83.8 cm

(Minimum Expansion necessarily is 5.00 cm)

**(c) Physically Weight**

**(Only for Female Candidate)**

45 Kg. Weight



## Part -V

### Procedure for recruitment

#### Determination of vacancies

14.

The appointing authority shall determine the number of vacancies to be filled in during the course of the year as also the number of vacancies to be reserved for candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and other categories to the State of Uttarakhand under rule 6 and shall intimate to the Commission.

#### Procedure for direct Recruitment through Commission for the post of Excise Inspector

15.

- (1) Application for permission to appear in the competitive examination shall be invited by the Public Service Commission. The application form may be obtained from Secretary to the Commission on payment.
- (2) No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission issued by the Commission.
- (3) After the results of the written examination have been received and tabulated, the Commission shall having belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and other categories under rule 6, summon for interview such number of candidates as on the result of the written examination have come up to the standard fixed by the Public Service Commission in this respect. The marks awarded to each candidate at the written examination shall be added to the interview marks obtained by them.
- (4) The Commission shall prepare a list of candidates in order of their proficiency as disclosed by the aggregate of marks obtained by each candidate at the written examination and interview and recommend such number of candidates as they consider fit for appointment. If two or more candidates obtaining higher marks in the written examination shall be placed higher in the list. The Commission shall forward the list to the appointing authority.



**Note-** The syllabus of the competitive examinations and Rules shall be prescribed by the Commission from time to time.

**Procedure for direct recruitment for the post of Sub Excise Inspector**

16. For the direct recruitment to the post of Sub Excise Inspector shall be made according the Uttarakhand Direct Recruitment Procedure on the Post of Group "C" (Out of the purview of the Uttarakhand Public Service Commission) Rules, 2008.

**Procedure for recruitment by promotion for the post of Sub-Excise Inspector**

17. For the post of Sub-Excise Inspector recruitment by promotion shall be made on the basis of seniority subject to the rejection of unfit through the Selection Committee, the members as follows--

- |   |             |
|---|-------------|
| (a) Excise Commissioner, Uttarakhand            | - Chairman; |
| (b) Additional Excise Commissioner, Uttarakhand | - Member;   |
| (c) Deputy Excise Commissioner, (Headquarters)  | - Member.   |

- (1) Recruitment by promotion shall be made on the basis of seniority subject to the rejection of unfit through the Selection Committee, constituted in accordance with the provision of the Uttarakhand Constitution of Departmental Promotion Committee (for the Posts out-side the purview of Public Service Commission) Rules, 2008:

Provided that if none of the persons in the selection committee so constituted belong to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes, a Gazetted Officer belonging to such Castes, Tribes and Classes not represented in the selection committee shall be recommended as a member of the selection committee.

- (2) The appointing authority shall prepare eligibility lists of the candidates, in accordance with the Uttarakhand Constitution of Departmental Promotion Committee (For Posts Outside the Purview of the Public Service Commission) Rules, 2008 and place the same before the selection committee along with their character



rolls and such other records, pertaining to them as may be considered proper.

- (3) The appointing authority shall prepare these lists to be called the eligibility lists, of the senior most eligible candidates from each of the category namely, General, Scheduled Castes and Scheduled Tribes, separately, in the light of vacancies available for each of vacancies available for each of the said categories as follows :-

For 1 to 5 vacancies - Double of vacant post, but minimum 5.

For more than 5 vacancies - one and half of vacant post, but minimum 10.

- (4) The Selection Committee shall prepare a list of selected candidates in accordance with the orders of Government in force at the time of recruitments and forward the same to the appointing authority :

Provided that while preparing eligibility list under sub-rule

(1) or under this rule, where there are two different feeding cadres:-

(a) bearing different pay scales the candidates belonging to the cadre bearing higher pay scale shall be placed higher in the eligibility list ;

(b) bearing same pay scale the names of the candidate shall be arranged in the eligibility list in order of the date of their substantive appointment in their respective cadres.

**Procedure for  
recruitment by  
promotion for  
the post of  
Excise Inspector**

18. Recruitment by promotion to the post of Excise Inspector shall be made on the basis of seniority with the Uttarakhand Promotion by Selection in Consultation with Public Service Commission (Procedure) Rules, 2003 as amended from time to time.

**Combined  
select list**

19. If in any year of recruitment appointments are to be made both by direct recruitment and by promotion, a combined select list shall be prepared by taking the names of candidates from the relevant lists in such cyclic order that the prescribed percentage is maintained, the first name in the list being of the person appointed by



promotion under rule 17.

**Note-** For the purpose of preparing select list the names of promotees for the post of Excise Inspector shall be arranged in the order by taking the names of clerks or stenographers and Sub-Excise Inspectors the first name being that of the clerk or if clerk is selected in that list, the stenographers may be placed, as the case may be.


## **Part -VI**

### **Appointment, Probation, Confirmation and Seniority**

- Appointment**      20. (1) On the occurrence of substantive vacancies the appointing authority shall make appointment by taking the names of candidates in the order in which they stand in the lists prepared under rules 15, 16, 17, 18 and 19.
- (2) Where in any year of recruitment, appointments are to be made posts by direct recruitment and by promotion, regular appointment not be made unless selection are made from both the sources and a combined list is prepared in accordance with rule 19.

If more than one order of appointment are issued in respect of any one selection a combined order shall also be issued, mentioning the names of the persons in order of seniority as determined in the selection or as the case may be, as it stood in the cadre from which they are promoted.

- Probation**              21. (1) A person on appointment to a post or service in or against a permanent vacancy shall be placed on probation for a period of two years.
- (2) The appointing authority may, for reasons to be recorded, extend the period of probation in individual cases specifying the date up to which the extension is granted :

 Provided that save in exceptional circumstances, the period of probation shall not be extended beyond one year and in no circumstance beyond two years.



- (3) If it appears to the appointing authority at any time during or at the end of the period of probation or extended period of probation that a probationer has not made sufficient use of his opportunities or has otherwise failed to give satisfaction, he may be reverted to his substantive post.
- (4) A probationer, who is reverted or whose services are disspread under sub-rule (3), shall not be entitled to any compensation.
- (5) The appointing authority may allow continuous service rendered in an officiating or temporary capacity in a post included in the cadre or any other equivalent or higher post, to be taken into account for the purpose of computing the period of probation.

**Confirmation**      22.      A probationer shall be confirmed in his appointment at the end of the period of probation or the extended period of probation if-

- (a) his work and conduct is reported to be satisfactory;
- (b) his integrity is certified ; and
- (c) the appointing authority is satisfied that he is otherwise fit for confirmation.


**Seniority**      23.      The seniority of persons substantively appointed in any category of the posts shall be determined in accordance with the Uttarakhand Government Servant's Seniority Rules, 2002 as amended from time to time:

Provided that the inter se seniority of persons in any category of posts shall be the same as it was in the cadre from which they were promoted.

## **Part VII**

### **Pay etc.**

**Scale of Pay**      24. (1) The scales of pay admissible to person appointed on the post in the service shall be such as may be determined by the Government from time to time.

 (2) The scales of pay at the time of the commencement of the Uttarakhand Excise Subordinate service rules shall be given in



Column- 4 of **Appendix "A"**.

**Pay During Probation**

25. (1) Notwithstanding any provision in the Fundamental Rules the contrary, a person on probation if he is not already in permanent Government Service, shall be allowed his first increment in the time scale when he has completed one year of satisfactory service, and second increment after two years service when he has completed the probationary period and is also confirmed :

Provided that if the period of probation is extended on account of failure to give satisfaction, such extension shall not count for increment unless the appointing authority directs otherwise.

- (2) The pay during probation of a person who was already holding any post under the Government, such persons services shall be regulated by the relevant fundamental rules.
- (3) The pay during probation of a person who was already holding a post as permanent in the State Government, shall be regulated by the relevant rules applicable to the Government servants generally service in connection with the affairs of the State.

**Part VIII**

**Other provisions**

**Canvassing**

26. No recommendations, either written or oral, other than those required under the rules applicable to the post or service will be taken in to consideration. Any attempt on the part of a candidate to enlist support directly and indirectly for his candidature, such evidence will disqualify him for appointment.

**Regulation of other matters**

27. In regard to the matters not specifically covered by these rules or special orders persons appointed to the service shall be governed by rules, regulations and orders applicable generally to Government servants serving in connection with the affairs of the State.
- ab*



**Relaxation  
from the  
conditions of  
the Services**

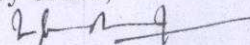
28. Where the State Government is satisfied that the operation of any rule regulating the conditions of service of a person appointed to the service causes undue hardship in any particular case, it may, not with standing anything contained in the rules applicable to the case, by order, dispense with or relax the requirements of that rule to such extent and subject to such conditions as it may consider necessary for dealing with the case in a just and equitable manner;

Provided that where a rule has been framed in consultation with commission that body shall be consulted before the requirements of the rule are dispensed with or relaxed.

**Savings**

29. Nothing in these rules shall effect reservations and other concessions required to the provided for the candidate belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and other special categories of persons to the State of Uttarakhand in accordance with the orders of the Government issued from time to time in this regard.

By order,



**(Mohammad Shahid)**  
Secretary



## APPENDIX 'A'

[ Please see sub-rule (2) of rule 4 and sub-rule (2) of rule 24 ]

S. No.	Name of the post	Number of post			Pay scale ( in ₹)
		Permanent	Temporary	Total	
1	2	3			4
01.	Excise Inspector	30	43	73	9300-34800 Grade P. 4600
02.	Sub-Excise Inspector	06	36	42	5200-20200 Grade P. 2400